INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VII- 2nd Lang	Department: Hindi	Date of submission:
Lesson No. : 4 चिड़िया की बच्ची	Topic: कठिन शब्दार्थ, प्रश्नोत्तर	Note: Pl File in portfolio

कहानी- 'चिड़िया की बच्ची' - लेखक श्री जैनेंद्र कुमार

कठिन शब्दार्थ -

	शब्द	अर्थ	English meaning
1	संगमरमर	चमकदार पत्थर	Marble
2	कोठी	बड़ा मकान	Big House
3	व्यसन	बुरी आदत	Bad Habit
4	अभिरूचि	चाह या शौक	Hobby
5	मसनद	तकिया	Pillow
6	तृप्ति	संतोष	Satisfaction
7	खयाल-	विचार	View
8	चित्र-विचित्र	रंग-बिरंगी	Colorful
9	स्वच्छंदता	आज़ादी	Independence
10	बेखटके	बिना किसी डर के	Without Fear
11	संकोच	शर्म या झिझक	Embarrassed
12	पलभर	क्षणभर	Moment
13	सकुचना	शर्माना	Ashamed
14	बोध	ज्ञान	Knowledge
15	भयभीत	डरा हुआ	Frightened
16	प्रफुल्लित	प्रसन्न	Cheerful
17	वीरान	उदास	Deserted
18	बाट देखना	प्रतीक्षा करना	See from
19	निरी	बिल्कुल	Inspection
20	अनजान	नासमझ	Unknown
21	मालामाल	बहुत धनी	Garland
22	जतन	कोशिश	Plan , design
23	तृष्णा	चाह	Desire
24	अनगिनत	जिसकी गिनती न हो	Countless
25	उजेला	उजाला	Bright

26	चौकन्नी	चौकस	Alert
27	कठोर	सख्त	Hard
28	स्पर्श	छूना	Touch
29	ढाँढ़स	हिम्मत -	calm
30	चिपकना	पकड़ना -	sticks to it

अति लघु प्रश्न -

प्रश्न-1 **"चिड़िया की बच्ची" के पाठ के लेखक का नाम क्या है?**

उत्तर - "चिड़िया की बच्ची" के पाठ के लेखक जैनेंद्र कुमार है।

प्रश्न-2 माधवदास कैसा व्यक्ति था ?

उत्तर - माधवदास एक धनी व्यक्ति था |

प्रश्न-3 माधवदास कब प्रकृति की छटा निहारने के लिए बैठते थे?

उत्तर - माधवदास शाम को प्रकृति की छटा निहारने के लिए बैठते थे।

प्रश्न-4 माधवदास के बगीचे में चिड़िया कहाँ आ कर बैठती है?

उत्तर - माधवदास के बगीचे में चिड़िया गुलाब की डाली पर आ कर बैठती है।

प्रश्न-5 चिड़िया माधवदास के बगीचे में क्यों आई थी?

उत्तर - चिड़िया माधवदास के बगीचे में कुछ देर आराम करने आई थी।

प्रश्न-6 चिड़िया की गर्दन कैसी थी?

उत्तर – चिड़िया की गरदन लाल और नीली थी |

लघूत्तरीय प्रश्न -

प्रश्न-1 माधवदास चिड़िया को देखकर इतने प्रसन्न क्यों गए थे?

उत्तर - चिड़िया बहुत सुंदर थी। उसकी प्यारी–प्यारी आवाज़ें सुनकर और उसका एक डाली से दूसरी डाली पर फुदकना और चहचहाना देख कर माधवदास देख कर माधवदास प्रसन्न थे।

प्रश्न-2 माधवदास ने चिड़िया को अपने पास रखने के लिए क्या-क्या किया?

उत्तर- माधवदास ने चिड़िया को अपने पास रखने के लिए उसने चिड़िया के सामने अपने धन दौलत का उल्लेख किया, उसकी प्रशंसा की और उसका महत्व बताया और उसे कई प्रलोभन दिए।

प्रश्न-3 माँ के पास पहुँच कर चिड़िया की क्या हालत हुई?

उत्तर - माँ के पास पहुँच कर चिड़िया माँ की गोद में गिरकर सुबकने लगी। वह काँप – काँप कर माँ की छाती से चिपक कर माँ की छाती से चिपक गई। बड़ी देर में उसे ढाँढ़स बँधा और तब वह पलक मींच माँ से चिपककर सोई जैसे अब पलक न खोलेगी।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न -

प्रश्न-1 माधवदास ने चिड़िया को क्या-क्या प्रलोभन दिए?

उत्तर - माधवदास ने चिड़िया को सोने का एक घर बनवाने जिसमें मोतियों की झालर लट की होगी और पानी पीने की कटोरी भी सोने की होगी, मालामाल करने और ढेर सारा सोना देने का प्रलोभन दिया। उससे यह भी कहा कि बगीचे के फूल उसके लिए खिला करेंगें।

प्रश्न-2 चिड़िया माधवदास के बहकावे में क्यों नहीं आई?

उत्तर - चिड़िया के लिए हवा,धुप और फूल ही उसकी धन-संपत्ति थी| उसकी सारी संपन्नता उसकी स्वछंदता ही थी। उसे सोने चाँदी से कुछ लेना देना नहीं था। चिड़िया के लिए आत्मिक और पारिवारिक सुख ही महत्वपूर्ण था। उसके लिए उसकी माँ की गोद सब से प्यारी थी। यही कारण था कि वह माधवदास के बहकावे में नहीं आई।

प्रश्न-3 किन बातों से ज्ञात होता है कि माधवदास का जीवन संपन्नता से भरा था और किन बातों से ज्ञात होता है कि वह सुखी नहीं था?

उत्तर – माधवदास ने अपने लिए संगमरमर की एक नयी कोठी बनवायी थी और उस के सामने बहुत सुहावना बगीचा भी लगवाया था। उसका रहन सहन रईसों जैसा था। उसके पास कई कोठियाँ, बगीचे और दास - दासियाँ थीं । वह चिड़िया से बात करते हुए वह उसके लिए सोने का घर बनवाने तथा उसे मालामाल कर देने की बात भी करता है। इन बातों से ज्ञात होता है कि माधवदास का जीवन संपन्नता से भरा था।

प्रश्न-4 'माँ मेरी बाट देखती होगी'-नन्ही चिड़िया बार-बार इसी बात को कहती है। आप अपने अनुभव के आधार पर बताइए कि हमारी जिंदगी में माँ का क्या महत्व है?

उत्तर-ऐसा कहा जाता है कि भगवान हर किसी के साथ नहीं रह सकता इसलिए उसने माँ को बनाया है। माँ हमारे जीवन की हर छोटी बड़ी जरुरतो का ध्यान रखती है तथा हमें हर प्रकार के कष्ट से बचाती है। माँ के साए में बच्चा सबसे ज्यदा सुरक्षित महसूस क

रता है। इसलिए हमारे जीवन में माँ का स्थान सर्वोपरि है।

प्रश्न-5 कहानी के अंत में नन्ही चिड़िया का सेठ के नौकर के पंजे से भाग निकलने की बात पढ़कर तुम्हें कैसा लगा?

उत्तर - कहानी के अंत में नन्ही चिड़िया का सेठ के नौकर के पंजे से भाग निकलने की बात पढ़कर बहुत खुशी महसूस होती है। यदि माधवदास उसे कैद कर लेता तो उसका जीवन नर्क के समान हो जाता। उसकी स्वतंत्रता, हँसी-ख़ुशी और उसका परिवार उससे दूर हो जाता।

तो प्यारे बच्चो !....इस कहानी में बताया गया है कि कैसे सेठ माधवदास के जीवन में खालीपन था। वह चिड़िया से बात के क्रम में कहता है कि उसका महल सुना है और वहाँ कोई भी चहचहाता नहीं है। उसका चिड़िया को साथ रहने के लिए प्रलोभन देना और केवल अपने अकेलेपन को दूर करने के लिए उसे पकड़ने का प्रयास करना यह दर्शाता है कि सारी संपन्नताओं के बावजूद भी वह सुखी नहीं था।

****